ईरान को मिसाइल देगा चीन, खबर आते ही यूएस ने सिखाया सबक

वॉशिंगटन(ए)। अमेरिका और चीन के बीच एक नया और गंभीर विवाद खड़ा होता दिख रहा है, जिसका सीधा संबंध ईरान और उसकी हथियार आपूर्ति से है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि मई में बीजिंग में हुई मुलाकात के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिया था कि चीन ईरान को हथियार नहीं देगा। लेकिन रिपोर्टों में यह सनसनीखेज दावा किया गया है कि ईरान को जल्द ही चीन निर्मित 300 से 400 मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम्स मिल सकते हैं। ये कंधे पर रखकर दागी जाने वाली एयर डिफेंस मिसाइलें हैं, जो युद्धक्षेत्र में बहुत प्रभावी मानी जाती हैं। शुरुआती खेप में लगभग 400 तक ऐसी मिसाइलें शामिल हो सकती हैं, और पूरे सौदे की कीमत 6 से 7 करोड़ डॉलर आंकी गई है। इस खबर के सामने आते ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भड़के हुए हैं, और अमेरिका ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए चीनी जहाजों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा कर दी है, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

दिलचस्प बात यह है कि जिस समय चीन से मिसाइलों की संभावित डिलीवरी की रिपोर्ट सामने आई, उसी दौरान अमेरिका ने चीन और हॉन्ग कॉन्ग की आठ शिपिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया। अमेरिकी विदेश विभाग का आरोप है कि ये कंपनियां ईरानी तेल को चीन और संयुक्त अरब अमीरात तक पहुंचाने वाले तथाकथित शैडो फ्लीट (गुप्त बेड़े) का हिस्सा थीं। अमेरिका का कहना है कि इन प्रतिबंधों

का उद्देश्य ईरान के खिलाफ उसके आर्थिक दबाव और नौसैनिक नाकेबंदी को और मजबूत करना है, ताकि वह अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय गतिविधियों को जारी न रख सके। रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि अगर चीन सच में ईरान को हथियार भेजता है तो उन्हें काफी निराशा होगी। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि शी जिनपिंग ने उनसे बहुत साफ शब्दों में कहा था कि चीन ईरान को हथियार देने में शामिल नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के रिश्तों को देखते हुए उन्होंने शी के इस आश्वासन पर भरोसा किया था, लेकिन अब यह भरोसा टूटता दिख रहा है। इस पूरे मामले में एक बार फिर पाकिस्तान का नाम भी सामने आया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शुरुआती योजना के तहत इन मिसाइलों को चीन के उरुमची से पाकिस्तान के रास्ते ईरान पहुंचाया जाना था। हालांकि, यह साफ नहीं है कि अंतिम चरण में इन्हें सड़क मार्ग से ले जाया जाना था या हवाई रास्ते से। इस दावे पर पाकिस्तान की सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर (इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) ने तीखी प्रतिक्रिया दी। आईएसपीआर ने कहा कि पाकिस्तान के इस ट्रांसफर में शामिल होने के दावे पूरी तरह मनगढ़ंत और झूठे हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है। यह चीन-ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव में एक नया आयाम जोड़ता है।

कोरोना उत्पत्ति पर फौसी ने साधी चुप्पीः संविधान को बनाया ढाल

न्यूयॉर्क,(ए)। वैश्विक महामारी कोविड-19 की उत्पत्ति को लेकर अमेरिका में जारी सुनवाई इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। इस बहस के केंद्र में यह सवाल है कि क्या कोरोना वायरस चीन की प्रयोगशाला में तैयार हुआ था, या अमेरिकी वित्त पोषित शोध से इसका प्रसार हुआ? मामले की सुनवाई के दौरान अमेरिका के शीर्ष डॉक्टर और वैज्ञानिक एंथनी फौसी ने अपने होठ सिल लिए, और उन्होंने संविधान को अपनी ढाल बनाकर सौ से अधिक बार यानी 111 बार पांचवें संशोधन का हवाला दिया। अमेरिका के पूर्व चीफ मेडिकल एडवाइजर डॉक्टर फौसी ने कोविड-19 के प्रसार और महामारी के दौरान उठाए गए कदमों से संबंधित रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं के तीखे सवालों का जवाब देने से स्पष्ट इंकार किया है। वाशिंगटन डीसी में सीनेट होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंटल अफेयर्स कमेटी की सुनवाई में डॉक्टर फौसी ने अमेरिकी संवैधानिक अधिकार के तहत फिफ्थ अमेंडमेंट (पांचवें संशोधन) का बार-बार उपयोग किया, जो किसी भी व्यक्ति को खुद के खिलाफ गवाही देने से बचाता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज (एनआईएआईडी) के पूर्व निदेशक फौसी को केंटुकी के रिपब्लिकन सीनेटर रैंड पॉल ने पूछताछ के लिए बुलाया था।

हमले से पहले ही उन्होंने मांग ली माफी, लेकिन हम थोड़ा तो सबक सिखाएंगे

वाशिंगटन,(इएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के समर्थन वाली सेनाओं के एक और हमले के बाद अमेरिका जोरदार जवाब देगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने पांच मिसाइलों को रोकने के बाद अब उन पर हमला करने की हमारी बारी है। ट्रंप ने वाशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट को फिर से बनाने की घोषणा की। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि उन्हें मिस्र के पास एक एलएनजी टैंकर पर हुए ड्रोन हमले के बारे में जानकारी दी गई थी और उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन सैन्य कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है, हालांकि उन्होंने भविष्य में समझौते की संभावना भी खुली रखी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि हम उन पर जोरदार हमला करेंगे, क्योंकि अब पलटवार करने की हमारी बारी है। मुझे पता है कि ऐसा होने वाला है। वे हमें ऐसा न करने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने 8,500 मील प्रति घंटे की रफ्तार से पांच रॉकेट दागे थे यह अच्छी बात रही कि हमारे लोग पैट्रियट सिस्टम को ऑपरेट कर रहे थे। उन सभी रॉकेट को मार गिरा गया, लेकिन फिर भी उन्होंने हमला करने की कोशिश की, इसलिए अब हमारी बारी है। हम देखेंगे कि क्या कभी कोई समझौता हो पाता है।

ट्रंप ने उन सुझावों को खारिज

कर दिया कि इन हमलों की वजह से वॉशिंगटन को इस इलाके से अपनी सेना हटानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता। नहीं, हम ऐसा नहीं करेंगे। ट्रंप ने कहा कि जिन लोगों ने यह किया, उन्होंने पहले ही तनाव कम करने की कोशिश की है। यह उस ग्रुप से अलग ग्रुप था जिससे हम निपट रहे हैं। उन्होंने पहले ही माफी मांग ली है, लेकिन हमें उन्हें थोड़ा सबक सिखाना होगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने युद्ध खत्म करने की अपनी इच्छा फिर से दोहराई। ट्रंप ने कहा कि बैठक अच्छी रही। पुतिन और जेलेंस्की के साथ मेरे अच्छे संबंध हैं मैंने कहा कि बस युद्ध खत्म करो। ट्रंप ने कांग्रेस से ईरान के खिलाफ लंबित कानून को और मजबूत करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं चाहूंगा कि वे ईरान पर सिर्फ प्रतिबंध ही नहीं, बल्कि टैरिफ भी लगाएं। मुझे लगता है कि यह जरूरी है। ये ताजा बयान ऐसे समय में आए हैं, जब ईरान समर्थित समूहों और क्षेत्र में तैनात अमेरिकी बलों के बीच कई हमलों के बाद मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। वाशिंगटन ने बार-बार कहा है कि वह अमेरिकी कर्मियों और सैन्य ठिकानों पर हुए हमलों का जवाब देगा। साथ ही व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को रोकने के लिए राजनयिक प्रयास भी जारी रखेगा।

बलूचिस्तान की कोयला खदान में भीषण विस्फोट, 32 मजदूरों की मौत

इस्लामाबाद(ए)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार को एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 32 मजदूरों की मौत हो गई। हादसे के समय खदान के प्रभावित हिस्से में 36 मजदूर काम कर रहे थे। अधिकारियों के अनुसार कई खनिक अभी भी लापता हैं और उनके मलबे में फंसे होने की आशंका है। राहत एवं बचाव दल लगातार अभियान चला रहे हैं, हालांकि हालात बेहद चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। यह हादसा क्वेटा के निकट स्थित सुरांगे क्षेत्र में हुआ, जहां एक-दूसरे के पास स्थित दो कोयला खदानें विस्फोट की चपेट में आ गईं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि खदान के भीतर मीथेन गैस जमा होने के कारण जोरदार धमाका हुआ, जिससे दोनों खदानों का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और कई मजदूर अंदर ही फंस गए।

अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान लगभग 4,000 फीट की गहराई तक चलाया जा रहा है। बचावकर्मी मलबा हटाकर फंसे मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, गहराई, गैस और क्षतिग्रस्त सुरंगों के कारण अभियान काफी कठिन हो गया है। अधिकारियों ने कुछ मजदूरों के जीवित मिलने की उम्मीद जताई है, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए इसकी संभावना बेहद कम बताई जा रही है। हादसे के बाद प्रशासन ने पूरे इलाके को घेर लिया है और राहत कार्य तेज कर दिया गया है। साथ ही विस्फोट के कारणों की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं। यह दुर्घटना एक बार फिर खदानों में सुरक्षा मानकों और श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

टोक्यो पर महाविनाश का खतराः जापान बना रहा दूसरी राजधानी

टोक्यो,(ए)। दुनिया के सबसे आधुनिक और ताकतवर देशों में शुमार जापान अब अपनी पहचान में एक बड़ा बदलाव करने जा रहा है। सालों से जापान की शान रहे टोक्यो शहर अब देश का इकलौता ताज नहीं रहेगा, क्योंकि जापानी संसद ने एक ऐतिहासिक कानून पारित किया है, जिसके तहत जापान अब एक नहीं, बल्कि दो-दो राजधानियां बनाने की तैयारी में है। हालांकि संसद के ऊपरी सदन में यह बिल बेहद मामूली अंतर से गिरते-गिरते बचा। यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर जापान को दो-दो राजधानियां बनाने की जरूरत क्यों पड़ी, खासकर तब जब टोक्यो पहले से ही एक विश्वस्तरीय मेगासिटी है? इस अभूतपूर्व कदम के पीछे एक डरावना खुलासा है। भूकंप वैज्ञानिकों और एक अन्य रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगले 30 सालों में टोक्यो में 7 से अधिक तीव्रता का भयानक भूकंप आने की 70 फीसदी आशंका है। यदि यह भविष्यवाणी सच साबित होती है, तो पूरा टोक्यो पल भर में मलबे के ढेर में तब्दील हो सकता है। ऐसे में प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और देश का पूरा बैंक सिस्टम एक झटके में ठप्प हो जाएगा, जिससे राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति पैदा हो सकती है। इसी संभावित तबाही के खौफ से देश को बचाने के लिए जापानी सरकार ने बैकअप के तौर पर दूसरी राजधानी का यह मास्टरप्लान तैयार किया है। संसद में कानून पास होते ही जापान के कई बड़े और समृद्ध प्रांत दूसरी राजधानी की कुर्सी हथियाने के लिए आमने-सामने आ गए हैं। कानून के मुताबिक, नई राजधानी वही शहर बनेगा जो भूकंप से सुरक्षित हो और सरकार चलाने की पूरी क्षमता रखता हो। इस दौड़ में चार दावेदार सबसे आगे हैंः ओसाका, जो टोक्यो के बाद जापान का सबसे बड़ा और ताकतवर शहर है तथा सदियों से देश का आर्थिक पावरहाउस रहा है, इसलिए इसे रेस में सबसे आगे माना जा रहा है, आइची और नागोया, जहां आइची प्रांत के गवर्नर ने सबसे पहले अपनी दावेदारी पेश की है, फुकुओका, जिसके गवर्नर ने भी स्थानीय बिजनेसमैन को साथ लेकर रेस में कूद पड़े हैं; और सपोरो, जिसकी दलील है कि वह टोक्यो से बहुत दूर है, इसलिए अगर टोक्यो में सुनामी या भूकंप आता भी है तो सपोरो पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। हालांकि, ओसाका को सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है, लेकिन जापानी वैज्ञानिकों की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि नानकई ट्रफ में आने वाला एक भयानक भूकंप ओसाका के एक-तिहाई हिस्से को पानी में डुबो सकता है, जो उसकी राह में एक बड़ी बाधा है।

औकिब नबी को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर इरफान पठान ने उठाये सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी टीम में जगह नहीं मिलने पर नाराजगी जतायी है। नबी ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में 60 विकेट लेकर अपनी टीम को पहला खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उनका प्रदर्शन ठीक रहा था। भारत-ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी भी उन्होंने दो चार दिवसीय मुकाबलों में छह विकेट लिए थे। इसके बाद भी नबी को शामिल नहीं किये जाने पर पठान ने सवाल उठाये हैं। पठान ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि चयन समिति के पास कोई तार्किक जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि जब घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को मौका दिया जा रहा है, तो नबी के साथ अलग व्यवहार क्यों किया गया।

इरफान ने कहा, मेरे पास औकिब नबी के चयन न होने का कोई तार्किक जवाब नहीं है। मैं चयन प्रक्रिया को समझ नहीं पाया। जब जसप्रीत बुमराह उपलब्ध नहीं होते हैं तो मोहम्मद सिराज आपके प्रमुख तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ उस टेस्ट में सिराज को खिलाने की क्या

जरूरत थी, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा भी नहीं था? घरेलू प्रदर्शन मायने रखता है तो औकिब को मौका क्यों नहीं मिला?इरफान पठान ने हालांकिसारांश जैन के चयन की सराहना करते हुए कहा कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिलना चाहिए। सा ही कहा कि यही पैमाना औकिब नबी के मामले में भी लागू किया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा, सारांश जैन का घरेलू प्रदर्शन के दम पर टीम में चुना जाना शानदार फैसला है। इससे घरेलू क्रिकेट खेलने वालों को संदेश मिलता है कि प्रदर्शन का सम्मान होगा। लेकिन फिर औकिब के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ? उन्होंने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और तेज गेंदबाज होने के नाते टीम को हमेशा बैकअप की जरूरत रहती है।

अफगानिस्तान क्रिकेट के नये फील्डिंग कोच बने मैकडरमॉट

सिडनी (ईएमएस)। : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज़ शेन मैकडरमॉट को अफगानिस्तान का नया असिस्टेंट और फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है। आयरलैंड के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज के पहले इस बदलाव से टीम को लाभ होने की की संभावना है। मैकडरमॉट 1 अगस्त को अफगानिस्तान टीम से जुड़ेंगे। अफगान टीम को आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है।

मैकडरमॉट मुख्य कोच रिचर्ड पाइबस के साथ मिलकर काम करेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में जोनाथन ट्रॉट की कोच की भूमिका संभाली थी। मैकडरमॉट के आने से टीम को फील्डिंग कौशल बेहतर होगा। वह भी ऐसे समय में जब अफगानिस्तान क्रिकेट लगातार विश्व स्तर पर बेहतर प्रदर्शन का प्रयास कर रही है। मैकडरमॉट के पास कोचिंग का लंबा अनुभव है, खासकर फील्डिंग के क्षेत्र में, जहां उनकी विशेषज्ञता को काफी सराहा जाता है। उन्होंने पहले बांग्लादेश के लिए तीन साल तक सहायक कोच की भूमिका निभाई है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट के साथ भी इसी भूमिका में तीन साल बिताए। इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान टीम से उनका अचानक अलग होना कई लोगों के लिए हैरानी भरा था पर अब उन्होंने

अफगानिस्तान के साथ एक नई चुनौती स्वीकार की है, जो उनकी कोचिंग क्षमता और अनुभव का लाभ उठाएगी। यह आयरलैंड दौरा अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए कई मायनों में एक नया अध्याय भी होगा। इस सीरीज में रहमत शाह पहली बार वनडे टीम की कप्तानी की बागडोर संभालेंगे, जो उनके लिए और टीम के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। यह युवा कप्तान के नेतृत्व में टीम की क्षमताओं का आकलन करने और भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों के लिए रणनीति बनाने का एक अहम मौका होगा। अफगानिस्तान टीम एक नई ऊर्जा और दृष्टिकोण के साथ मैदान पर उतरेगी। पांच मैचों की यह एकदिवीसय सीरीज ब्रेडी में शुरू होगी, जहां शुरुआती दो वनडे मैच 5 और 7 अगस्त को खेले जाएंगे। इसके बाद टीम बेलफास्ट का रुख करेगी, जहां बाकी तीन मैच क्रमशः 10, 12 और 15 अगस्त को आयोजित होंगे।

कुलदीप ने काउंटी में यॉर्कशायर की ओर से शानदार प्रदर्शन किया

लंदन (ईएमएस)। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव अभी इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे है। जहां उन्होंने अपनी गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी से भी प्रभावित किया है. यॉर्कशायर के लिए खेलते हुए कुलदीप ने लगातार टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। भारतीय टीम में शामिल किये जाने के बाद भी उन्हें इंग्लैंड दौरे में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। एकदिवसीय सीरीज के दौरान बेंच पर बैठने के बाद ही कुलदीप ने यॉर्कशायर क्लब के साथ करार किया। उन्होंने पहले ही कुछ मैचों में अपने प्रदर्शन से भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान को करारा जवाब दे दिया है।

कुलदीप ने अब तक काउंटी में खेले तीन मुकाबलों में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए साबित किया है कि उन्हें मैदान में नहीं उतारकर गंभीर और शुभमन ने गलती की थी। कुलदीप ने तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं। उन्होंने हर मुकाबले में दो-दो विकेट हासिल किए हैं। इस दौरान उन्होंने 26.5 ओवर गेंदबाजी की और उनका 4.88 का बेहद कम इकॉनमी रेट रहा है। कुलदीप के जुड़ने से यॉर्कशायर को भी काफी लाभ हुआ है। उनके शामिल होने के बाद टीम ने लगातार तीन मुकाबलों में जीत हासिल की है। इससे साफ है कि कुलदीप टीम के लिए बेहद प्रभावी रहे हैं। गेंदबाजी ही नहीं, कुलदीप ने बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाया है। ससेक्स के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने केवल 12 गेंदों पर 22 रन की तेज पारी खेली। इस दौरान उन्होंने तीन चौके और एक शानदार छक्का लगाया। यह उनके 139 मैचों के लिस्ट ए करियर का पहला छक्का भी रहा, जिसने उनकी इस पारी को और भी विशेष बना दिया। ग्लेमोर्गन के खिलाफ मुकाबले में भी कुलदीप ने कठिन हालातों में बल्लेबाजी करते हुए ने फिनले बीन के साथ आठवें विकेट के लिए 34 रन की साझेदारी की।कुलदीप ने 23 गेंदों पर 12 रन बनाए और टीम को कठिन हालातों से निकाला। यॉर्कशायर ने यह मुकाबला दो विकेट से जीता। कुलदीप यादव का यह शानदार प्रदर्शन ऐसे समय पर आया है, जब उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है. टी20 विश्व कप के बाद उन्हें सीमित मौकों में ही खेलने का अवसर मिला पर उन्होंने साबित किया है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

पाक बल्लेबाज युसुफ के नाम है एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद युसूफ के नाम टेस्ट क्रिकेट में एक ऐसा रिकार्ड है जो आज तक कोई क्रिकेटर नहीं तोड़ पाया है। मोहम्मद युसूफ एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। इस पाक क्रिकेटर के नाम 9 टेस्ट शतक का रिकार्ड है जो उसने साल 2006 में बनाया था। उनके साथ ही रिकी पोंटिंग, सर विवियन रिचर्ड्स, अरविंद डिसिल्वा और सचिन तेंदुलकर के नाम भी एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल है।

मोहम्मद युसूफ : साल 2006 में यूसुफ ने11 मैचों की 19 पारियों में, उन्होंने 99.33 की अविश्वसनीय औसत से 1,788 रन बनाए। 2,854 गेंदों का सामना करते हुए, उन्होंने 202 रनों का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया और 222 चौकों तथा 12 छक्कों की मदद से 9 शतक का रिकॉर्ड बनाया। उनके नाम 3 अर्धशतक भी हैं। वह इस साल केवल 1 बार शून्य पर आउट हुए।

रिकी पोंटिंग : साल 2006 में ही पोंटिंग ने 2006 में केवल 10 मैचों की 18 पारियों में जमकर रन बनाये। 3 बार नाबाद लौटते हुए उन्होंने 88.86 की शानदार औसत से 1,333 रन बनाये। 196 के सर्वोच्च स्कोर के साथ उन्होंने 7 शतक और 4 अर्धशतक अपने नाम किए। बिना किसी शून्य के, उन्होंने पूरे साल विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा।

विवियन रिचर्ड्स : वहीं साल 1976 में वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स ने अपनी आक्रामक टेस्ट बल्लेबाजी से तहलका मचा दिया था। तब 11 मैचों की 19 पारियों में, रिचर्ड्स ने 90.00 की औसत से 1,710 रन बनाये। जिसमें 291 रनों की लंबी पारी शामिल थी। उन्होंने 7 शतक और 5 अर्धशतक लगाकर एक एक ऐसा रिकार्ड बनाया जो अगले तीन दशक तक बना रहा।

श्रीलंका के अरविंदा डिसिल्वा ने साल 1997 में जमकर रन बनाते हुए 11 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 76.25 की औसत से 1,220 रन बनाए। 168 रनों के उच्चतम स्कोर के साथ, डिसिल्वा ने 7 शतक और 2 अर्धशतक लगाये थे। सचिन तेंदुलकर : वहीं साल 2010 में भारत के सचिन तेंदुलकर ने ने 14 टेस्ट मैचों की 23 पारियों में 3 बार नाबाद रहकर 78.10 की बेहतरीन औसत से 1,562 रन बनाए। 214 रनों की कप्तानी पारी उन्होंने खेली। 55.90 की स्ट्राइक रेट के साथ सचिन ने इस दौरान 7 शतक और 5 अर्धशतक लगाये।

अश्विन ने 2027 विश्वकप के लिए भुवनेश्वर को शामिल किया, रोहित को बनाया कप्तान

ग्लासगो (ईएमएस)। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय टीम घोषित कर दी है। हैरानी की बात है कि अश्विन ने इसमें आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा संजू सैमसन और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी शामिल नहीं किया है।

वहीं पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रहे भुवनेश्वर कुमार को अपनी टीम में जगह दी है। अश्विन ने अपनी टीम की कप्तानी रोहित शर्मा को सौंपी है। टीम में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा युवा शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों को जगह मिली है।

मुद्रक , प्रकाशक, स्वामी धर्मेंद्र सिंह के लिए अग्र भारत प्रिंटिंग प्रेस 59/142ए/1 अजीत नगर से मुद्रित एवं 203 निर्मल हाइट , सेक्टर 12ए सी.आ.यो. आगरा मथुरा रोड आगरा से प्रकाशित संपादक धर्मेंद्र सिंह दूरभाष 0562 2601233 RNI Reg. No: UPHIN/2007/21286
ईमेलः- agrabharat0@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र आगरा होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों/समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।